

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जिस तरह का राजनीतिक और कानूनी विवाद खड़ा किया गया था, उस पर अब सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट मुहर लग चुकी है. शीर्ष अदालत ने न केवल एसआईआर प्रक्रिया को संवैधानिक और वैध ठहराया है, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची की जांच, संशोधन और सत्यापन के लिए विशेष प्रक्रिया अपनाने का अधिकार है. ऐसे में अब इस मुद्दे पर अनावश्यक राजनीतिक भ्रम और अविश्वास फैलाने की कोशिशों पर विराम लगना चाहिए.

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सुर्यकांत और जस्टिस जॉमाल्या बागची की पीठ ने अपने फैसले में संविधान के अनुच्छेद 324 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 का उल्लेख करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची को पारदर्शी, शुद्ध और अद्यतन बनाए रखने का पूरा अधिकार प्राप्त है. लोकतंत्र की

अब एसआईआर का विवाद समाप्त होना चाहिए

विश्वसनीयता केवल मतदान कराने से नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने से भी तय होती है कि मतदाता सूची में केवल पात्र नागरिकों के नाम ही शामिल हों. यदि मतदाता सूची में फर्जी, मृत या अयोग्य व्यक्तियों के नाम बने रहते हैं, तो इससे चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित होती है.

इस पूरे विवाद में सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता और मतदाता सूची को अलग-अलग विषय माना. अदालत ने साफ कहा कि यदि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसने अपनी नागरिकता छो दी. यह केवल इतना दर्शाता है कि चुनाव आयोग संबंधित व्यक्ति की पात्रता या नागरिकता का सत्यापन नहीं कर पाया. यह टिप्पणी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि विपक्षी दलों और कुछ संगठनों द्वारा यह आशंका पैदा की जा रही थी कि एसआईआर

प्रक्रिया नागरिकों को ‘गैर-नागरिक’ घोषित करने का माध्यम बन सकती है. दरअसल, मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी भी लोकतंत्र की नियमित और आवश्यक प्रक्रिया है. भारत जैसे विशाल और गतिशील देश में जनसंख्या, पलायन, मृत्यु और निवास परिवर्तन लगातार होते रहते हैं. ऐसे में समय-समय पर विशेष पुनरीक्षण आवश्यक हो जाता है. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि विशेष परिस्थितियों में चुनाव आयोग विशेष प्रक्रिया अपना सकता है और यह संविधान का उल्लंघन नहीं माना जा सकता.

इस फैसले का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अदालत ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और अधिकार क्षेत्र पर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया. ज़हिर है कि कोर्ट ने चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया को स्वतंत्र,

निष्पक्ष और कानूनसम्मत माना है. अदालत ने 11 मान्य दस्तावेजों की सूची को भी उचित ठहराया और आधार को लेकर कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं की.

लोकतंत्र केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता से भी मजबूत होता है. यदि चुनाव आयोग मतदाता सूची को साफ और पारदर्शी बनाने का प्रयास कर रहा है, तो इसे राजनीतिक संदेह के बजाय संस्थागत सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए. चुनाव सुधारों की दिशा में यह फैसला एक महत्वपूर्ण कदम है. दरअसल, अब आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल और नागरिक समाज इस मुद्दे को अनावश्यक विवाद का विषय बनाने के बजाय लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के रूप में देखें. बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय स्पष्ट कर देता है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए शुद्ध मतदाता सूची अनिवार्य है. ऐसे में अब एसआईआर पर विवाद समाप्त होना ही लोकतंत्र के हित में होगा.

ग्वालियर चंबल डायरी

फेरबदल की सरगमीं ने मंत्रियों को किया बेचैन, विधायकों की बढ़ाई आस



हरीश दुबे

बचाने की कवायद के साथ ही विभागों में कटौती के खतरे को टालने की जद्दोजहद में हैं तो कतार में लगे वेटिंग इन मिनिस्टर्स ने अपने सपने पूरे करने के लिए दिल्ली और भोपाल के लिए दौड़ तेज कर दी है.

ग्वालियर से दो, भिंड और मुरैना से एक एक विधायक इस वक्त मंत्री सुख भोग रहे हैं. अंदरखाने अभी तलक तो खबर यही है कि इनके मंत्री पद पर आंच नहीं है लेकिन ऐन वक्त क्या नए समीकरण बन जाएं, कहना मुश्किल है. मंत्रिमंडल में जिला वार नुमाईदगी के पैमाने पर दतिया और शिवपुरी जिला अभी सिफर ही हैं. भिंड के नरेन्द्र सिंह कुशवाहा और सेबढ़ा के प्रदीप अग्रवाल कई बार चुने जा चुके पुराने विधायक हैं, लिहाजा खुलकर दौड़ में हैं. ग्वालियर अंचल के मिनिस्टर्स का रिपोर्ट कार्ड ठीक ही रहा है, लिहाजा उम्मीद यही की जा रही है कि इस अंचल पर कैंची नहीं चलेगी, नाम बढ़ेंगे ही.

समर नाइट मेला कागजों में निबटा,

अब सावन मेले का सज्जबाग

ग्वालियर मेला अर्थांरिटी के नए ओहदेदार स्वागत जुलूसों, तकरीरों और छत्रों की वंदना में ही व्यस्त रहे और इधर समर नाइट मेला का

पहले से तय वक्त ही निकल गया. नौतपा अपने उरूज पर पहुंचने के बाद मानसून करीब आ गया और गर्मियों के मेले की तैयारी किए बैठे कारोबारियों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है. अब मेला अर्थांरिटी नया सज्जबाग दिखाकर अपनी गलती ढांपने में लगी है कि समर नाइट मेला की जगह श्रावणी मेला लगेगा और इसके लिए तैयारी शुरू हो चुकी है. श्रावणी मेला का अर्थ है अगस्त तक इंतजार और बरसात का खतरा. दुकानदार मेला की कच्ची पक्की दुकानों में भरी बरसात के मौसम में अपना कारोबार सजाने के लिए कतई राजी नहीं हैं. सच्चाई यह है मेला के अधिकारियों ने समर नाइट मेला के लिए महीनों पहले से जो तैयारियां की थीं, वे अर्थांरिटी में हुई राजनीतिक नियुक्तियों के शोर शराबे में दबकर रह गईं.

उपचुनाव की रणभेरी कभी भी ...

अब यह लगभग तय हो गया है कि दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव होकर ही रहेंगे. दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहे राजेंद्र भारती के मामले में अगली तारीख 14 जुलाई लगने के बाद राजनीतिक हलकों में आसार लगाए जा रहे हैं कि इस सीट पर चुनाव आयोग अब कभी भी उपचुनाव की तारीख का ऐलान कर सकता है. यहां से कई मर्तबा विधायक रहे और पिछला चुनाव हारे डॉ. नरोत्तम मिश्रा की भोपाल में अपनी पार्टी के प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह से लंबी एकांत मंत्रणा के बाद उपचुनाव की संभावनाओं को और ज्यादा बल मिला है. तारीख अभी घोषित नहीं हुई है लेकिन चुनावी वैतरणी को पार करने के लिए दोनों दल कमर कसकर तैयार बैठे हैं. कांग्रेस के समक्ष सीट बचाने और भाजपा के सामने इस परंपरागत सीट पर 23 में खोई हुई प्रतिष्ठा को फिर से हासिल करने की चुनौती है.

सांसद के कार्यक्रमों से सिंधिया समर्थकों ने बना ली दूरी

ग्वालियर भाजपा में मंची गूटीय खींचतान कम होने का नाम नहीं ले रही. सूबा सदर ने अपने हालिया दौरे में पार्टी के स्थानीय अलबरदारों को जो एकजुटता का पाठ पढ़ाया था, वह भी बेअसर लग रहा है. इसकी तांजा नजीर गंगा दशहरा पर प्रशासन द्वारा मेहराब साहब की तलेया पर रखे गए श्रमदान कार्यक्रम में दिखी. चूंकि इस श्रमदान महोत्सव के खास मेहमान नरेन्द्र सिंह तोमर के नजदीकी सांसद भारत सिंह कुशवाहा थे, नतीजन सिंधिया समर्थक इस जलसे से नदारत रहे. प्रोग्राम पूरी तरह गैर सियासी और जल संरक्षण का पैगाम देने तक सीमित था लेकिन गुटबाजी में गले तक फसे कार्यकर्ताओं ने गुटबंदी की जो लक्ष्मण रेखाएं पहले से खींच रखी हैं, उन्हें किसी भी सूरत में लांघने के लिए वे तैयार नहीं हुए. इस श्रमदान में एक-दो सिंधिया समर्थक तसला उठाते और फावड़ा चलाते दिखाई भी दिए लेकिन उनकी मौजूदगी निकायों में मिले सरकारी पद की औपचारिकता पूरी करने तक सीमित रही. बेमन से आए ऐसे चेहरे सांसद के करीब आने या उनके साथ श्रमदान करते फोटो खिंचाने से बचते रहे. इसी कार्यक्रम में सवाल उठने लगे कि आलम यही बरकरार रहा तो अंजाम-ए-सताईस क्या होगा. गौरतलब है कि सताईस में निकाय चुनाव की चुनौती है.



निशानेबाज

भारत से संबंध सुधारने में लगा अमेरिका

राजनय या कूटनीति में न कोई स्थायी मित्र होता है, न स्थायी शत्रु ! जरूरत और परिस्थितियों के आधार पर संबंध तय किए जाते हैं. अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को चीन दौरे से कोई खास लाभ नहीं हुआ बल्कि शी जिनिपिंग ने अपनी अकड़ कायम रखी. तब ट्रंप के ध्यान में आया कि भारत जैसे देश को अपने से दूर नहीं जान देना चाहिए. इसलिए उन्होंने अपने विदेशमंत्री मार्को रुबियो को भारत दौरे पर भेजा और मीडा-मीडी बात कर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनापन जताने लगे. यह भी कहा कि किसी भी जरूरत पर आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं. हकीकत इसके विपरीत है. अपने माता-पिता के साथ जो बच्चे अमेरिका आए थे और डिपेंडेंट (आश्रित) के रूप में थे, उन्हें युवा होने पर कहा जा रहा है कि भारत वापस जाओ और वहां से वीजा लेने और ग्रीनकार्ड हासिल करने की प्रक्रिया पूरी करो. इस तरह उनका भविष्य अधर में लटकाया जा रहा है. रूस से ईंधन लेने पर ट्रंप ने टैरिफ में 50 प्रतिशत की वृद्धि की थी. उन्होंने बार-बार दावा किया था कि भारत पाक संघर्ष उन्होंने रुकवाया. ईरान से समझौता वार्ता के लिए पाकिस्तान को मध्यस्थ बनाया. पिछले एक वर्ष से भी ज्यादा समय से अमेरिका भारत व्यापार समझौता



मोदी के प्रति अपनापन जताने लगे.

लटका हुआ है. 4 देशों के संगठन ब्वाइड की भारत में बैठक को भी रोका गया था. इन नकारात्मक स्थितियों के बीच मार्को रुबियो ने भारत की नाराजगी दूर करने की कोशिश की. उन्होंने विदेशमंत्री एस. जयशंकर से चर्चा के दौरान दोनों देशों के बीच ऊर्जा, रक्षा क्षेत्र तथा दुर्लभ खनिज को लेकर आपसी सहयोग बढ़ाने पर सहमति दर्शाई. यह भी कहा कि व्यापार में भारत अमेरिका का सबसे बड़ा भागीदार है. प्रधानमंत्री मोदी को भी अमेरिका यात्रा का निमंत्रण दिया गया. इन बातों से स्पष्ट है अमेरिका अब भारत के सहयोग की आवश्यकता महसूस कर रहा है लेकिन इसके पीछे उसका भी स्वार्थ कम नहीं है.

ट्रंप के ध्यान में आया कि भारत जैसे देश को अपने से दूर नहीं जाने देना चाहिए. इसलिए उन्होंने अपने विदेशमंत्री मार्को रुबियो को भारत दौरे पर भेजा और मीडा-मीडी बात कर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनापन जताने लगे.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्पदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12271

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे

1. राजस्थान का एक प्रसिद्ध राजवंश

2. किसी काटने वाले हथियार का तेज सिरा 3. बड़ौदा नदी 4. अयोध्या के एक सूर्यवंशी राजा जो गंगा को तपस्या करके पृथ्वी पर लाए थे 6. पत्नी की बहन 7. सी अरब की संख्या 8. वृक्ष का कटा हुआ कोई भाग, ईंधन, काट 9. बात 10. बक-बक करना, धीरे-धीरे अस्पष्ट शब्दों में कुछ कहना 11. नाक से बोलने वाला, जिसके उच्चारण में नाक का योग हो ऐसा अक्षर 13. महा. अति, बहुत, में 15. पाजेब, तुपुर् 16. अधिकार, अधेरा 17. वृक्ष का नीचे वाला भाग जिसमें डालियां नहीं होती

Solution 12270

न	प	क	सा	र	ग	धा
र	व	न	वा	सी	र	
क	त	र	ना	धा	व	क
गा	र			आ	प	सी
मी	न	मे	ख	न	य	न
	ता	रा	प	थ	त	र
दा	र		रे	न	ना	प
दा	न	शी	ल	दा	मा	द

बाएं से दाएं

1. भारत के एक राष्ट्रपति 3. आकाश 5. जगह, उपयुक्त स्थान, मौका 6. सादापन, सरलता, सीधापन 7. हलचल, घबराहट 10. लाभ, वृद्ध, बढ़ती 11. संग, संगति 12. जतदी होने के कारण होने वाली घबराहट, उतावली 13. ब्रम्ह के चौदह पुत्र जो मनुष्यों के मूल पुरुष माने जाते हैं 14. बहन का माना हुआ संबंध 16. तड़-तड़ शब्द सहित 18. जानकी, सीता 19. रुठे हुए को प्रसन्न करना 20. इन दिनों

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र .)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में बैचारिक अशांति रहेगी, सत्संग से मन आध्यात्मिक शांति का अनुभव होगा, संतोष बना रहेगा, व्यवसायिक तनाव रहेगा, वर्ष के मध्य में पारिवारिक चिन्ता का कारण रहेगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक मित्रों का सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त होगा, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, नवीन योजनाओं का क्रियान्वयन होगा.

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों की नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा,

वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का दाम्पत्य जीवन सुखमय शांतिपूर्ण रहेगा, मिश्रु और कन्या राशि के व्यक्तियों को सामाजिक मित्रों के कार्यों में व्यस्तता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक मित्र के सहयोग से पद परिवर्तन होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को उन्मत्त सफलता मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये योजना साकार होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को निजी पुरुषार्थ का लाभ मिलेगा.

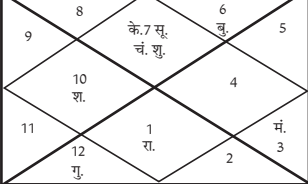
मेघ- साझेदारी की योजना में पूँजी लगाने से लाभ होगा, किसी कार्य में परिश्रम अधिक करना होगा, खर्च की अधिकता रहेगी, शत्रु नुकसान पहुँचाने का प्रयास करेंगे.
वृषभ- पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है, उत्तराधिकार में संपत्ति मिल सकती है, परिवार में मतभेद रहेगा, दूसरों के कारण परेशानी होगी.
मिश्रुन- आकस्मिक की योजना की उम्मीद है, दोहरे लाभ का अवसर मिल सकता है, वाहन सावधानी से चलावे, अनावश्यक विवाद को टालें, अतिथि आगमन होगा.
कर्क- व्यापारिक अनुबंध लाभदायी रहेगा, मित्रों का सहयोग रहेगा, साहस पराक्रम बढ़ेगा, यश की वृद्धि होगी, नई योजनाओं में लाभ होगा.

सिंह- कार्यक्षेत्र में लॉबिंग मामले निपटाना पड़ेगे, गुमी वस्तु मिल सकती है, कौटुम्बिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, आपसी लोगों को अधिक भरोसा न दें.
कन्या- जमीन जायजदा प्राप्त की का लाभ होगा, मन में शांति और संतोष रहेगा, आमोद प्रमोद, के कार्य में व्यय होगा, भरपूर सहयोग प्राप्त होगा.
तुला- कार्यस्थल पर सहकर्मियों से परेशानी होगी, कार्यों में सावधानी रखें, रूकावट एवं असफलता मिल सकती है, परिश्रम अधिक करना पड़ेगा.
वृश्चिक- आपसी विवादों को टालने में ही लाभ है, घरेलू बागों पर अधिक ध्यान न दें, अतिथि आगमन का योग है, किसी अनसोचे कार्य में व्यस्तता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, व्यक्तित्ववान, मिलनसार, आकर्षक एवं तीव्र बुद्धि का होगा, स्वास्थ्य कुछ समय तक नरम गरम रहेगा. बुद्धिमत्ता अच्छी रहेगी, अनेक विद्याओं का ज्ञाता होगा, प्रवास का शौकीन रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल



पंचांग

रा.मि. 07 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी गुरुवासे दिन 8/31, चित्रा नक्षत्रे दिन 9/7, वरीयान योगे रात 4/43, बालव करणे सु.उ. 5/17, सु.अ. 6/43, चन्द्रचार तुला, पर्व- प्रदोष व्रत, शु.रा. 7,9,10,1,2,5 अ.रा. 8,11,12,3,4,6 शुभांक- 9,2,6.

व्यापार भविष्य

अधिक ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी को चित्रा नक्षत्र के प्रभाव से सरसों, गुड़, खांड, बाजरा, सुपारी, सौंठ, सोना, आदि में तेजी होगी, रूई, कपास, चांदी, में मंदी होगी, वायदा विचार आज के बने भाव पर व्यापार कर लाभ उठावें. भाग्यांक 3754 है.

SUDOKU 7403

		8		4				
1								9
3			2			5		
			1			8		
	5				4			
	7			9				
6		3						2
9								1
		8		7				

नवभारत सू-दोड़ 7402

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8